31 Ambikapur-BHOOMI-pg 1_Layout 1 12/31/2023 9:47 PM Page 1

तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि

सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, सोमवार, 1 जनवरी 2024

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

2 जिले में घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित, दृश्यता हुई कम

खबर संक्षेप

ननि अमले ने की मेरिन ड्राइव की सफाई

अम्बिकापुर। नगर निगम द्वारा आयुक्त अभिषेक कुमार की पहल पर पिछले चार दिनों से शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ननि अमले द्वारा चिन्हित स्थानों की विशेष साफ-सफाई की जा रही है। अभियान के तहत रविवार को मेरिन ड्राइव तालाब एवं खालपारा मोहल्ले की साफ-सफाई की गई। स्वच्छता कर्मियों ने मेरिन ड्राइव की सीढ़ियों पर पड़े पूजा सामग्री एवं तालाब में तैर रहे प्लास्टिक थैलियों सहित अन्य तरह की गंदगी को साफ किया। स्वच्छता कर्मियों ने विश्वकर्मा मंदिर से सटे हिस्से के कचरे को साफ किया। मेरिन ड्राइव तालाब की साफ-सफाई करने के उपरांत अमले ने खालपारा की नालियों एवं गलियों की सफाई की। स्वच्छता निरीक्षक अवधेश पांडेय ने बताया कि आयुक्त के निर्देशन में अलग-अलग वार्डों में स्थल चिन्हांकित कर विशेष साफ-सफाई की जा रही है। अभियान को यथावत जारी रखा जाएगा।

चोरों ने टावर का एंगल किया पार, जांच में जुटी पुलिस

प्रतापपुर। नगर पंचायत वार्ड क्रमांक 2 में बीती रात चोरों ने टावर का एंगल पार कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार थाना अंतर्गत नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 2 बाबापारा में बीती रात टावर का एंगल चोरी कर रहे थे। इधर शोर की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो चोर कुछ एंगल को साथ लेकर फरार हो गई जबकि टॉवर से खोल कर रखे कुछ एंगल वही पड़ा था। एंगल चोरी होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध चोरी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

कचरा प्रबंधन करते हुए स्वच्छता दीदियों ने हासिल की बीए, एमए एमएससी की डिग्री

नदीम अंसारी ⏭ अम्बिकापुर

कहते है जहां चाह होती है वहां राह निकल ही आती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है एसएलआरएम सेंटर में काम करने वाली इन स्वच्छता दीदियों ने। कचरे के ढेर में काम करने वाली इन महिलाओं ने इस जीवन से भी आगे बढ़कर खुद की किस्मत लिखने की चाह रखी और अब बीए, एमए, एमएससी जैसी उच्च शिक्षा की डिग्री हासिल करने के बाद कचरा प्रबंधन के साथ-साथ शासकीय नौकरी करने का लक्ष्य लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहीं है। हम बात कर रहे है नगर निगम अम्बिकापुर को स्वच्छता प्रबंधन ने देशभर में पहचान दिलाने वाली स्वच्छता दीदियों की। आम तौर पर शहर में डोर टू डोर कचरा प्रबंधन करने वाली स्वच्छता दीदियों को लेकर लोगों के मन में यही धारणा आती है कि इन महिलाओं की शिक्षा का स्तर बहुत ही कमजोर होगा। इन महिलाओं का जीवन दिनभर लोगों के घरों से कचरा एकत्रित करने में ही बीत जाता होगा लेकिन जब हरिभूमि ने नए वर्ष के मौके पर शहर को सफलताओं की ऊंचाई पर पहुंचाने वाली इन स्वच्छता दीदियों से बात की तो हर महिला के जीवन की एक अलग ही कहानी निकलकर सामने आई। लोगों के घरों से कचरा एकत्रित करने का काम करने वाली ये दीदियां बीए, एमए एमएससी डिग्री धारी है। शहर में लोगों के घरों से कचरा कलेक्शन करने के साथ ही यूजर चार्ज लेने का काम करने वाली स्वच्छता दीदियों में से ही एक है मंजूषा कुजूर जिन्होंने ह्यूमन डेवलपमेंट विषय से अपनी एमएमसी की पढ़ाई पूरी की है। मंजूषा शहर ⏭शेष पेज 4 पर

अलग खबर

कचरे के ढेर में रहकर भी संवार रही अपना जीवन, शासकीय नौकरी में जाना लक्ष्य

यूजर चार्ज कलेक्शन से लेकर कचरा संग्रहण तक का काम

एसएलआरएम सेंटर में काम करने वाली दीदियों को उनकी शिक्षा के आधार पर सुपरवाइजर का पद दिया गया है। सुपरवाइजर का काम वार्डों में कचरा प्रबंधन पर निगरानी रखना है। वार्डों से कचरा कलेक्शन हो रहा है या नहीं इसपर निगरानी रखने का काम सुपरवाइजर करतीं है लेकिन कई बार जब कचरा कलेक्शन करने वाली दीदियां काम पर नहीं आती है तो इन महिलाओं द्वारा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के साथ ही सेग्रीगेशन का काम भी किया जाता है। खास बात यह है कि स्वच्छता दीदियों को 10200 रुपए का सामान मानदेय दिया जाता है। इस मानदेय से ये दीदियां अपना जीवन यापन करने के साथ ही उच्च शिक्षा ग्रहण कर अपना कल सवारने में लगी हुई है। अब जरूरत है कि शासन प्रशासन भी छिपी हुई इन प्रतिभाओं को अपनी ओर से एक मौका दे ताकि ये भविष्य में कोई बेहतर काम कर सकें।

सबल बनाने करेंगे प्रयास

स्वच्छता दीदियों ने नगर निगम को देश भर में पहचान दिलाई है। स्वच्छता दीदियों ने अपनी मेहनत के बल पर यदि इतनी सफलता हासिल की है तो हमारी ओर से भी उन्हें सबल बनाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। पढ़ाई व प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने की चाह रखने वाली दीदियों का चिन्हांकन कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए पूरा सहयोग किया जाएगा और तैयारियों के लिए कोचिंग की व्यवस्था प्राथमिकता से साथ की जाएगी।

-डॉ. अजय तिर्की, महापौर ननि

काम करते हुए पूरी की कॉलेज की पढ़ाई

एसएलआरएम सेंटर में काम करते हुए रामेश्वरी तिर्की ने भी अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की है। रामेश्वरी वर्ष 2016 में स्वच्छता अभियान से जुड़ी और शहर में किराए के मकान में रहकर उन्होंने कचरा प्रबंधन का काम किया। इतना ही नहीं इस दौरान उन्होंने बीए की पढ़ाई पूरी की। कुछ ऐसी ही कहानी सुगंती कुजूर की है। सुगंती आ.लूटन राम वर्ष 2018 में स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी। मूलतः राजपुर क्षेत्र में रहने वाली सुगंती जब इस अभियान से जुड़ी तो वे 12वीं तक ही दीक्षा हासिल कर पाई थी और अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी लेकिन अन्य साथियों को पढ़ता देख उनमें भी पढ़ाई करने की इच्छा जागृत हुई और अब उन्होंने बीए की पढ़ाई पूरी कर ली है। इसी तरह एसएलआरएम सेंटर में वर्ष 2016 से जुड़कर काम कराने वाली सीता तिर्की ने एमए, 2017 से काम कर रही सरस्वती मिंज ने बीए की पढ़ाई की और इन जैसी अनेकों स्वच्छता दीदियां अपने जीवन स्तर को सुधारने में सफलता हासिल कर रही है। उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद इन स्वच्छता दीदियों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जा रही है।

अब गुजार रहे सामान्य जीवन

चिरायु ने लौटाई नन्हे बच्चों के जीवन में मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु ने जन्मजात बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को एक नया जीवन देने का काम किया है। चिरायु की टीम ने गांव गांव में जाकर ना सिर्फ गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की पहचान की बल्कि उनका उपचार भी कराया। जिन बच्चों का उपचार स्थानीय स्तर पर हो सकता था उन्हें तत्काल उपचार सुविधा उपलब्ध कराई गई जबकि जिन बच्चों को उच्च स्तरीय उपचार की जरूरत थी उन्हें प्रदेश के बड़े अस्पतालों में भेजकर निःशुल्क उपचार कराया गया। चिरायु के माध्यम से जिले में 29649 लोगों का उपचार कराया गया है। उपचार के बाद बच्चे भी एक सामान्य जिंदगी जी सकेंगे और पढ़ाई के साथ ही खेल गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे। बता दें कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ⏭शेष पेज 4 पर

खास बात

- जन्मजात बीमारियों से ग्रसित बच्चों का चिन्हांकन कर कराया गया उपचार

टीम लगातार कर रही है काम

हमारी टीम राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर बच्चों का चिन्हांकन करने के साथ ही उनका समुचित उपचार करा रही है। चिरायु के तहत मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जाता है। इस अभियान के तहत लगातार बच्चों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

-डॉ. अमीन फिरदौसी, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक

302 बच्चों के हृदय रोग का उपचार

चिरायु के माध्यम से गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों का उपचार कराया गया है। आंकड़ों पर नजर डाले तो जिले में हृदय रोग से संबंधित 302 बच्चो, न्यूरल ट्यूब से संबंधित 25, होंठ, तालु विकृति से संबंधित 86, पैर की विकृति के 174, कूल्हों से संबंधित 17, जन्मजात मोतियाबिंद के 57, जन्मजात बधिरता के 49, घेंघा रोग के 15, त्वचा रोग के 6434, स्वशन तंत्र से संबंधित 87, मिर्गी के49, दृष्टि दोष के 3165, सुनने की समस्या के 439, रक्ताल्पता के 604 बच्चों समेत अन्य बीमारियों से ग्रसित बच्चो का उपचार किया गया। इनमें से कई बच्चों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में भी भेजने की जरूरत पड़ी लेकिन उपचार के बाद अब ये बच्चे बिलकुल स्वस्थ है और एक खुशहाल जीवन गुजार रहे है।

शहडोल अंबिकापुर ट्रेन के नीचे आया युवक, परिचालक ने बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

बीती रात रेलवे स्टेशन में शराब के नशे में धुत युवक ने जमकर उत्पात म चा या । शराब के नशे में युवक पटरी पर लेट गया इस दौरान ट्रेन परिचालक ने सही समय पर युवक को देख लिया व ट्रेन रोककर उसकी जान बचाई। इस घटना के बाद स्टेशन में हड़कंप मच गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात एक युवक शराब के नशे में धुत होकर पटरी पर लेट गया था। इसी बीच अंबिकापुर शहडोल ट्रेन भी पटरी पर आ गया। पटरी पर लेटे हुए युवक को ट्रेन के परिचालक ने देख लिया व सूझबूझ से ट्रेन को रोककर युवक की जान बचाई। इस दौरान ट्रेन के नीचे युवक के आने की जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची आरपीएफ की टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकाला गया। फिलहाल घायल युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा घायल युवक को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- शराब के नशे में धुत था युवक

Sure Smile
Dental Clinic & Orthodontic Center
आपकी मुस्कान हमारी पहचान
Since : 2009 | ISO : 9001:2015

श्योर स्माइल
दंत चिकित्सालय एवं ऑर्थोडोन्टिक सेंटर
मो. 09179880085, 09407995721

Happy new Year 2024

आप सभी को
नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं...

डॉ. ए.के. दुबे
बी.डी.एस. (पटना) दंत चिकित्सक एवं सर्जन
एम.बी.ए. (अहमदाबाद) हॉस्पिटल मैनेजमेंट
रजि.नं. 277/A,
Email : anujdubey1@yahoo.com

डॉ. अंकित दुबे
बी.डी.एस. (ग्वालियर) दंत चिकित्सक एवं सर्जन
रजि.नं. CG DC/G/20/3345
Email : dankit040@gmail.com

समय : सुबह 11 बजे से
शाम 7 बजे तक, रविवार बंद

पता : मिशन चौक, रिंग रोड, अम्बिकापुर (छ.ग.)

31 Ambikapur-BHOOMI-pg 2_Layout 1 12/31/2023 10:13 PM Page 1

खबर संक्षेप

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को किया गया जागरूक

सलका अधिना। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के तत्वावधान में आज सलका ग्रामीण बैंक परिसर पर नुक्कड़ नाटक व डांस के माध्यम से लोगों को ग्रामीण बैंक की योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से संचालित जनहित कार्य योजनाओं से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने और बैंक के कार्य प्रणाली से लोगों को अवगत कराना था। खाता खोलने की सरल प्रक्रिया, नामांकन करना, एटीएम देना सहित उसके ओटीपी की गोपनीयता बनाए रखना, बैंक से मिलने वाले ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के बारे में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को विस्तार से बताया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से महिला घायल, अपराध दर्ज

अम्बिकापुर। बाजार से घर लौट रही महिला के पीछे से आ रहे बाइक चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला घायल हो गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम मोतीपुर निवासी सावित्री मंगलवार का साप्ताहिक बाजार दरिमा खरीदारी करने परिजन के साथ गई थी। शाम को घर आने लगी और जैसे ही स्कूल चौक के समीप पहुंची तभी पीछे से आ रहे बाइक क्रमांक सीजी 15 डीयू 6017 का चालक लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे महिला गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही अचेत हो गई। परिजन ने उसे तत्काल संजीवनी 108 से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार जारी है। घटना की रिपोर्ट श्रीमती नान कुंवर पति जंगल राम ने थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने बाइक चालक के विरूद्ध धारा 279, 337 के तहत अपराध दर्ज किया है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक साथ 12 मरीजों के डायलिसिस की सुविधा

भानू प्रताप सिंह ⏭ अम्बिकापुर

हर महीने 800 से अधिक मरीजों मिल रही नि:शुल्क सुविधा, पूर्व में डायलिसिस कराने जाना पड़ता था रायपुर, बनारस

चार दशक पूर्व तक स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि बेहद पिछड़ा माने जाने वाले सरगुजा की स्थितियां तेजी से बदल रही है। अब महानगरों की तर्ज पर न केवल जिला मुख्यालय में बल्कि विकासखण्ड मुख्यालयों में भी बड़े-बड़े निजी अस्पताल खुल गए हैं। शासकीय अस्पतालों में भी तेजी से स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। कभी डायलेसिस के लिए रायपुर एवं बनारस का दौड़ लगाने वाले गंभीर मरीजों को अब मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नि:शुल्क डायलेसिस की सुविधा मिल रही है।

अलग खबर

सरगुजा में एक पुरानी कहावत प्रचलित है माहुर खाय मर जाए, न मरे तो सरगुजा जाए। यह कहावत पिछड़े सरगुजा में तत्कालीन बदहाल स्थितियों को रेखांकित करता है। बुजुर्ग बताते हैं कि दशकों पूर्व सरगुजा में आवागमन के लिए सड़कें उपलब्ध नहीं थी। लोग पैदल अथवा बैलगाड़ी से आवागमन करते थे। लम्बे सफर में लोग मलेरिया ग्रस्त हो जाते थे तथा उपचार के अभाव में मौत हो जाती थी। अब स्थितियां बदल गई हैं तथा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गंभीर से गंभीर मरीजों का सफल उपचार किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होने से किडनी रोग से ग्रसित मरीजों को काफी राहत मिली है। जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज अस्पतला का दर्जा मिलने के पूर्व प्रबंधन द्वारा वर्ष 2006 में 8 लाख की लागत से पहली बार गेमब्रो डायलिसिस मशीन मरीजों को इसका फायदा नहीं मिल सका। वर्ष 2009 में प्रबंधन ने दूसरी फेजनेस मशीन खरीद कर डायलिसिस सुविधा प्रारंभ की, तब गंभीर रूप से पीड़ित मरीजों को डायलिसिस कराने भारी मशक्कत करनी पड़ती थी। जिला अस्पताल में मात्र एक मशीन उपलब्ध होने के कारण सीमित संख्या में मरीजों को डायलिसिस की सुविधा मिल पाती थी। अधिकांश मरीजों को डायलिसिस के लिए रायपुर एवं बनारस जाना पड़ता था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद किडनी, सर्पदंश, जहर खाने एवं हेपेाइटिस पॉजीटिव मरीजों की संख्या में वृद्धि होने पर डायलिसिस मशीन सहित अन्य सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत महसूस की गई। पूर्व डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव की पहल पर अस्पताल में अत्याधुनिक उपलब्धता कराए गए जिसमें 12 डायलिसिस मशीनें भी शामिल थी। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक साथ 12 डायलिसिस मशीनें उपलब्ध होने से गंभीर रूप से पीड़ित किडनी पीड़ितों सहित गंभीर मरीजों को काफी राहत मिली है।

हर महीने एक हजार डायलिसिस

सुविधाएं बढ़ने के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक साथ 12 मरीजों का नि:शुल्क डायलिसिस किया जा रहा है। डायलिसिस में 3-4 घंटों का समय लगने के कारण पूर्व में हर दिन बमुश्किल 3-4 मरीजों का डायलिसिस हो पाता था, वहीं मशीनों की संख्या बढ़ने के कारण अब रोज 30-35 मरीजों को डायलिसिस की सुविधा मिल रही है तथा हर महीने 800 से 1 हजार मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। मरीजों को नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में सरगुजा छत्तीसगढ़ में दूसरे स्थान पर है। अस्पताल में डायलिसिस के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान आयुष्मान कार्ड से होने के कारण मरीजों को यह सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध हो रही है, जबकि आयुष्मान कार्ड नहीं होने पर मरीजों को 500 रूपए का शुल्क भुगतान करना पड़ता है। इसके विपरीत निजी अस्पताल में डायलिसिस कराने पर मरीजों को दो-ढाई हजार रूपए का भुगतान करना पड़ता है। किडनी पीड़ित मरीजों को हर हाल में प्रति सप्ताह दो एवं हर महीने 8 डायलिसिस कराने की जरूरत पड़ती है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डायलिसिस कराने पर हर महीने दो हजार रूपए, वहीं निजी अस्पतालों में 16 हजार से अधिक खर्च करना पड़ता है।

संक्रमितों के लिए दो मशीनें

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हेपेटाइटिस बी एवं सी संक्रमित मरीजों के डायलिसिस के लिए दो अतिरिक्त मशीनें उपलब्ध कराई गई है। अस्पताल में डायलिसिस कराने वाले मरीजों को किसी प्रकार का संक्रमण न हो इसकी खास व्यवस्था की गई है। इन मशीनों से सिर्फ संक्रमित मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में विभिन्न रोगों से ग्रसित गंभीर मरीजों का नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध होने से काफी राहत मिली है।

एक हजार डायलिसिस की क्षमता

किडनी सहित अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों का बेहतर उपचार हो इसके लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 12 डायलिसिस मशीनें उपलब्ध है। अस्पताल में पर्याप्त संख्या में डायलिसिस मशीन होने से अब बड़ी संख्या में मरीजों का डायलिसिस हो रहा है। अस्पताल में प्रत्येक माह 8 सौ से लेकर 1 हजार मरीजों का डायलिसिस करने की क्षमता है।

-डॉ. आरसी आर्या, अस्पताल अधीक्षक

पत्नी व बेटा समेत तीन घायल

पेड़ से टकराई कार, पार्षद की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

नगर पंचायत बिश्रामपुर के वार्ड क्रमांक चार के पार्षद व कांग्रेस अनुसूचित जनजाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा रवि की रविवार तड़के एनएच 43 में बगीचा के नजदीक हुए सड़क हादसे में मौत हो गई।जबकि वाहन में सवार गंगा रवि की पत्नी, पुत्र समेत एक अन्य रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हुए है जिन्हें स्थानीय पुलिस की मदद से उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।घटना से आर टी आई कॉलोनी में शोक व मातम का माहौल निर्मित हो गया है।बताया गया कि पार्षद गंगा रवि 45 वर्ष अपने मारुति आर्टिगा कार क्रमांक सीजी 29 ए 3202 से अपने पुत्र के इलाज के सिलसिले में रांची जा रहे थे । कार में उनकी पत्नी,पुत्र व एक अन्य रिश्तेदार सवार होकर मध्यरात्रि एक बजे घर से निकले थे।बताया गया कि बगीचा थाना क्षेत्र के पास उनकी कार घने कोहरे व अचानक झपकी लगने में कारण सड़क किनारे उतरकर पेड़ से जा टकराई ।हादसे में कार खुद ड्राइव कर रहे गंगा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी का कंधा व बच्चे का पैर फैक्चर हो गया है ,वहीं कार में सवार रिश्तेदार विनीत को भी चोटे आई है।घटना तड़के 3.30 बजे प्रातःकाल की बताई गई है।घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पार्षद गंगा के शव को पीएम व पंचनामा कराने उपरांत बिश्रामपुर लाया गया जहां से उनके पैतृक निवास सुमेरपुर देवनगर ले जाया गया है,यहां पर गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया।पार्षद गंगा के तीन पुत्र व एक पुत्री है। हंसमुख व मिलनसार क्षवि के धनी गंगा की मौत को लेकर नगरवासी स्तब्ध हैं।.

खास बात

- पुत्र के इलाज के संबंध में राँची जा रहा था परिवार
- तड़के साढ़े तीन बजे की घटना

दुर्घटनाग्रस्त कार, इनसेट में मृतक।

पेड़ से टकराया पिकअप, एक की मौत 9 घायल

. सूरजपुर। नए साल की खुशियां उस समय मातम में बदल गई जब पिकनिक मनाकर लौट रहे पिकअप सवार की वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में पिकअप सवार सभी लोग घायल हो गए जिसमें एक युवक की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई जबकि अन्य घायलों का सूरजपुर अस्पताल में उपचार जारी है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार सूरजपुर क्षेत्र के ग्राम केतका निवासी शैलेन्द्र मरावी आ. धन साय मरावी (18 वर्ष) शनिवार को रिश्तेदार सहित गांव के अन्य लोगों के साथ पिकनिक मनाने कुमेली फॉल गए थे। शाम को सभी पिकअप से वापस घर लौटने लगे और जैसे ही रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम राजापुर के समीप पहुंचे तभी चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। वाहन की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कुछ सवार वाहन से उछल कर सड़क पर गिर गए जिससे वाहन में सवार सभी लोग घायल हो गए। इधर घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने घायलों को संजीवनी 108 से सूरजपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने शैलेन्द्र की हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां बीती रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों का उपचार सूरजपुर अस्पताल में चल रहा है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

- कुमेली फॉल से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे सवार

जिले में घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित, दृश्यता हुई कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

जिले में कड़ाके की ठंड के साथ ही घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई है और लोगों को आवागमन में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान कोहरे के कारण दुर्घटनाएं भी सामने आ रही है। बता दें कि दिसंबर माह में बलरामपुर जिले में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और न्यूनतम व अधिकतम तापमान में भारी गिरावट आई। हालांकि बादलों की आवाजाही के कारण तामपान में थोड़ी वृद्धि हुई है लेकिन ठंड का असर जारी है। इस बीच बादलों के कारण देर रात से ही जिले में घने कोहरे का असर है। सुबह भी लगभग 9 बजे तक नगरीय क्षेत्रों में घना कोहरा देखने को मिल रहा है ऐसे में लोगों को आवागमन में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे के कारण शनिवार की सुबह लगभग 5 बजे कलेक्टर बंगला के समीप एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। ग़नीमती रही की इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना का मुख्य कारण कोहरे को बताया जा रहा है। घटना के बाद घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया इसके बाद उन्हें गंतव्य की ओर रवाना किया गया। मौसम विभाग द्वारा फिलहाल घना कोहरा छाए रहने की बात कही जा रही है।

2024 आप सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं... 2024

अम्बिकापुर के उत्कृष्ट अस्पताल

SANKALP HOSPITAL
Quality Patient Care At Affordable Cost
www.sankalphospital.com
Near Distt. Hospital Manipur, Ambikapur, Chhattisgarh 497001

24/7 HOURS Trauma & Smart ICU
आपका अपना संकल्प अस्पताल
14 वर्षों का भरोसा

संकल्प अस्पताल में सुविधाएं
- नेत्र रोग
- आईवीएफ
- हड्डी रोग
- प्रसूति और स्त्री रोग
- कान, नाक व गला
- यूरोलॉजी
- शिशु रोग
- जनरल सर्जरी
- एडवांस लेप्रोस्कोपी की सुविधा
- आपातकालीन सेवाएं
- चिकित्सा विभाग
- कीमोथेरपी

प्रतिदिन डायलिसिस की निःशुल्क सेवा | सभी बीमारियों का विश्वसनीय इलाज
+91 9584889068
Where Quality Healthcare Meets Advanced Technology!
अंबिकापुर का सबसे एडवांस हॉस्पिटल

DR HOUSE
डॉक्टर्स हाउस
माता राजरानी मेमोरियल
आयुष्मान कार्ड सुविधा उपलब्ध
MRM हॉस्पिटल
24/7 Emergency इलाज की सुविधा उपलब्ध
ICU, NICU,OT, (सभी प्रकार के ऑपरेशन)
प्राइवेट वार्ड, जनरल वार्ड, स्पेशल वार्ड की सुविधा उपलब्ध
OUR SERVICES MRI - 1.5 TESLA

- Specialist Doctors
- Health Care Services
- Pharmacy
- Dignostic Services
- Endoscopy
- Sonography
- Computer Pathology
- Mammography
- Blood Bank
- MRI
- C.T. Scan
- Colposcopy

पता : रानी तालाब के सामने, (कॉर्नर) जिला अस्पताल रोड अम्बिकापुर
6262639090, 9425583780
H.O.- जोड़ा तालाब के सामने, वीरेंद्र प्रभा के बगल में, अम्बिकापुर
8224007799, 9826183780

Jeevan Jyoti Hospital
HEART CENTER KEEPS YOUR HEART BEATING!
अम्बिकापुर वासियों के लिए नई सौगात
समय और दिल का दौरा
किसी का इंतज़ार नहीं करते
अब विश्वस्तरीय सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का ईलाज 24x7 उपलब्ध
दिल से जुड़ी किसी भी समस्या को नजर अंदाज न करें

SECL
एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी 24 घंटे उपलब्ध
छत्तीसगढ़ की आधुनिकतम कैथलैब
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
शासकीय कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा
24/7 EMERGENCY SERVICES
संपर्क करें: 6261177373, 9343608291, 9343608293
नया बस स्टैंड के पास, दर्रीपारा, रिंगरोड अम्बिकापुर

निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
इमरजेंसी, ट्रॉमा एवं सामान्य चिकित्सा सेवाओं के लिए अंबिकापुर का सर्वश्रेष्ठ मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल।

निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां। आशा करते है की आप सभी खुशहाल एवं स्वस्थ रहें।
HAPPY NEW YEAR 2024

उपलब्ध सुविधाएँ:
- 25 बिस्तरीय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
- ओपीडी एवं आईपीडी सुविधा
- 24X7 फार्मेसी
- पैथोलॉजी एवं एक्स रे
- 24X7 इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर
- सर्जिकल एवं मेडिकल आईसीयू
- दंत रोग संबंधी परामर्श एवं उपचार
- जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
- मिनिमल इनवेसिव सर्जरी
- ऑर्थोपेडिक सर्जरी
- स्त्री एवं प्रसूति रोग
- मेडिसिन विभाग

आयुष्मान कार्ड द्वारा भर्ती एवं सभी प्रकार की ऑपरेशन की सुविधा | 24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध
कुंडला सिटी, खरसिया रोड, बसंत टॉकीज के पास, अंबिकापुर (छ.ग.)
संपर्क: 62640-24305, 79870-77564
www.nirmalahospital.co.in

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य शिविर में 551 मरीजों का उपचार

वाड्रफनगर। श्री सर्वेश्वरी समूह द्वारा परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र से आए 551 लोगों के स्वास्थ्य एवं आंखों की जांच कर निःशुल्क तथा 70 जरूरतमंद को चश्मा वितरित किया गया। शिविर में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक एवं एलोपैथिक चिकित्सक उपस्थित थे। मरीजों ने अपनी रूचि के अनुसार चिकित्सकों से स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान डॉ. परिहार एवं अतुल ने आंखों की जांच वहीं डॉ. त्रिपाठी, डॉ. पांडे, डॉ. सिंह, डॉ. धनंजय, डॉ. दिनेश यादव ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान समूह के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

बाइक भिड़ंत में दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

बिश्रामपुर। लटोरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत करवा में स्थित हाई स्कूल चौक के पास दो मोटरसाइकिल में आमने सामने भिड़ंत हो गयी है। बताया गया कि प्लसर बाइक सवार ग्राम पंचायत बतरा निवासी 26 वर्षीय हरीश पिता खलेश्वर व 18 वर्षीय कौशल राजवाड़े पिता वीरू राजवाड़े शनिवार की रात अंबिकापुर से वापस अपने घर लौट रहा था, तभी ग्राम पंचायत कसकेला से एएफ डीलक्स मोटरसाइकिल में वापस अपने घर परिवार के साथ ग्राम महेशपुर लौट रहे 26 वर्षीय पंकज पैकरा की बाइक को करवा हाई स्कूल चौक के पास जबर्दस्त टक्कर मार दी। दुर्घटना में बतरा निवासी कौशल राजवाड़े व हरीश राजवाड़े को गंभीर चोट आने पर लटोरी पुलिस द्वारा घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवा दिया गया है।

पेज 1 के शेष...

कचरा प्रबंधन करते हुए...

के गंगापुर की ही रहने वाली है और उनके पिता देवनाथ राम पेशे से एक किसान है। खेती किसानी से परिवार का मुश्किल से ही गुजरा होता है ऐसे में मंजूषा शहर के स्वच्छता अभियान से जुड़ी। मंजूषा ने एमएससी ह्यूमन डेवलपमेंट की पढ़ाई पूरी की और अब वे दिनभर स्वच्छता प्रबंधन करने के साथ ही समय मिलने पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। मंजूषा ने पुलिस भर्ती, हॉस्टल अधीक्षक जैसे पदों के फार्म भरे है और वे लगातार अपनी पढ़ाई कर ही है। वे बताती है कि दिनभर शहर में कचरा संग्रहण व यूजर चार्ज कलेक्शन के साथ ही जब भी समय मिलता है अपनी पढ़ाई करती है ताकि भविष्य में एक अच्छा जीवन जी सकें।

चिरायु ने लौटाई नन्हे...

बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 0 से 18 वर्ष तक के ऐसे बच्चों का चिन्हांकन किया जाता है जो किसी जन्मजात या जन्म के बाद हुई गंभीर बीमारी से ग्रसित है। चिरायु की टीम द्वारा गांव गांव में कैम्प लगाकर ऐसे बच्चों का चिन्हांकन कर ऐसे बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा जाता है और यदि बच्चों का उपचार स्थानीय स्तर पर संभव है तो उन्हें तत्काल उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाती है और यदि बच्चे को विशेषज्ञ चिकित्सक की जरूरत है तो बड़े अस्पतालों में भेजा जाता है। खास बात यह है कि चिरायु के तहत बच्चों का उपचार निःशुल्क कराया जाता है जो कि एक बड़ी बात है क्यों कि इन परिवारों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे अपने बच्चों का उपचार करा सके ऐसे में चिरायु की टीम उनके लिए वरदान साबित हुई है।

शिक्षा व रोजगार से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के जीवन स्तर में आया बड़ा बदलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर।

शिक्षा जीवन का आधार है और यदि कोई व्यक्ति शिक्षित हो जाए तो उसके जीवन स्तर में परिवर्तन आ जाता है। यही वजह है कि शिक्षा को हमारे सभ्य समाज में सबसे बड़ा स्थान दिया गया है। शिक्षा की बदौलत पुरानी से पुरानी रूढ़िवादी परम्पराओं से लड़ने में सहायता मिलती है इसका जीता जागता उदाहरण सरगुजा जिले में निवास करने वाले पहाड़ी कोरवा व पंडो ग्रामीण है। वर्तमान समय में पंडो समाज के युवाओं ने ना सिर्फ शिक्षा हासिल की बल्कि अपनी पढ़ाई के दम पर उन्हें शासन से शासकीय नौकरी भी मिली। शिक्षित होने के साथ ही अब रोजगार हासिल कर चुके विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं में एक बड़ा बदलाव आया है इसके साथ ही अब उनसे जुड़े समाज के लोगों का जीवन स्तर भी सुधर रहा है और अपनी कुरीतियों से ऊपर उठकर वे भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ने का काम कर रहे है। हम बात कर रहे है सरगुजा में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति की। छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है व सरगुजा जिले की बात की जाए तो यहां सर्वाधिक पहाड़ी कोरवा, पंडो समाज के लोग निवास करते है। वर्षों से दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले इन विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों का जीवन आभावग्रस्त हो रहा है। अशिक्षा व समाज की मुख्य धारा से दूर विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग अब तक हड़िया शराब, बासी भोजन तक ही सीमित रहा है। महज एक बर्तन और एक झोपड़ी में रहने वाले इन ग्रामीणों का आलम यह था कि यदि गांव में कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाए तो वे उसे अस्पताल के बजाए झाड़फूंक करने वाले के पास जाते थे यही वजह है कि समय समय पर पहाड़ी कोरवा, पंडो ग्रामीणों के मौत की घटनाएं सामने आती है और वे कुपोषण, सिकलिंग जैसी अनेकों गंभीर बीमारियों से ग्रसित रहते है लेकिन शिक्षा की बदौलत इन विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों में भी बड़ा परिवर्तन नजर आ रहा है। आज के समय में ना सिर्फ पंडो व पहाड़ी कोरवा समाज के लोग शिक्षित हुए है बल्कि उन्हें देखकर समाज के अन्य युवा भी प्रेरित हो रहे है। शिक्षा हासिल करने के बाद विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं ने शासन की योजना के तहत शासकीय नौकरी पाई और अब वे अपने समाज के लोगों को शिक्षित करने का कार्य कर रहे है। शिक्षा व नौकरी मिलने के बाद बड़ी संख्या में युवा अपनी रूढ़िवादी परम्पराओं से ऊपर उठे है और हड़िया शराब, बासी भोजन छोड़कर एक सामान्य जीवन जी रहे है और इनके जीवनशैली को देकर समाज के अन्य युवा भी शिक्षा और रुची ले रहे है।

- हड़िया शराब, बासी भोजन त्यागकर जी रहे सामान्य जीवन, दूसरों को भी कर रहे प्रेरित

कहां कितनी है संख्या

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और यहां विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) को पांच समुदाय में बांटा गया है। इनमें पहाड़ी कोरवा, कमार, बिरहोर, बैगा, अबूझमाड़ी समुदाय के लोग शामिल है। वर्ष 2015-16 के सर्वे के आधार पर वर्तमान में सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर, कोरबा जिले में पहाड़ी कोरवा के 11235 परिवार रहते है जिनकी कुल जनसंख्या 44026 है। इसके साथ ही प्रदेश के बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कोंडागांव और महासमुंद जिले में 7474 कमार परिवार रहते है जिनकी जनसख्या 26622 है। इसी तरह बिलासपुर, जशपुर, कोरबा व रायगढ़ जिले में बिरहोर समुदाय के 304 परिवार रहते है और इनकी कुल जनसख्या 958 है। प्रदेश के बिलासपुर, कबीरधाम, कोरिया, मुंगेली, राजनांदगांव जिले में 24589 बैगा परिवार रहते है और इनकी कुल संख्या 88317 है। इसी तरह प्रदेश के नारायणपुर जिले के सिर्फ दो ब्लॉक में 249 गांव में अबूझमाड़ी के 4786 परिवार रहते है जिनकी जनसख्या 23330 है। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे पीवीटीजी अभियान के तहत एक बार फिर से सर्वे किया जा रहा है जिससे वास्तविक आंकड़ा आने वाले समय में पता चल सकेगा।

सरगुजा में 144 पहाड़ी कोरवाओं को मिली नौकरी

सरगुजा जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को बेहतर जीवन उपलब्ध कराने के लिए लम्बे समय से प्रयास किया जा रहा है और इसका असर भी अब नजर आ रहा है। सरगुजा जिले की बात की जाए तो जिला प्रशासन व आदिवासी विकास विभाग की पहल पर 144 पहाड़ी कोरवाओं को विभिन्न पदों पर शासकीय नौकरी दी गई है। विभाग द्वारा 12वीं तक की शिक्षा हासिल कर चुके पहाड़ी कोरवा समुदाय के युवक युवतियों को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति दी गई है। जिले में कुल 103 पहाड़ी कोरवाओं को सहायक शिक्षक बनाया गया है जो आज प्राथमिक शालाओं में क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रहे है इसके साथ ही 41 युवक युवतियों को उनकी शिक्षा के आधार पर भृत्य, चैनमैन जैसे पदों पर नियुक्ति दी गई है। नियुक्ति मिलने के बाद जनजाति समाज के युवा शासकीय नौकरी कर रहे है और अब जब उनके घर व परिवार में एक व्यक्ति शासकीय नौकरी वाला हो गया है तो अन्य परिवार के सदस्यों का जीवन स्तर भी सुधर गया है।

कर रहे दूसरों को जागरूक करने का प्रयास

मैंने 12 वीं तक की शिक्षा हासिल की है और सीधी भर्ती में सहायक शिक्षक की नौकरी हासिल की। शिक्षा व शासकीय नौकरी के बाद हमारे जीवन में बदलाव आया है और हम अब प्रयास कर रहे है कि समाज के अन्य युवा भी मुख्य धारा से जुड़ सके। समाज के लोगों में पढ़ाई के प्रति रूचि जागृत हुई है। इसके साथ ही हम समाज के लोगों को कुरीतियों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास कर रहे है।

-लक्ष्मण राम, सहायक शिक्षक लुंड्रा

समाज के बच्चे दिखा रहे पढ़ाई में रूचि

मैंने भी 12वीं तक की शिक्षा हासिल की और सहायक शिक्षक के रूप में कार्य कर रही हूं। शिक्षा व नौकरी के कारण हमारे जीवन में परिवर्तन आया। मेरे पति भी सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ है। हमारे परिवार को देखकर समाज के अन्य लोग भी शिक्षा के प्रति विशेष रुचि दिखा रहे है। शिक्षित लोगों द्वारा समय समय पर सामाजिक बैठक बुलाई जाती है और लोगों को कुरीतियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। अब हमारे समाज के बच्चे भी पढ़ना चाहते है।

-विजय लक्ष्मी पंडो, सहायक शिक्षक डिण्डो

चलाया जा रहा है विशेष अभियान

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पीवीटीजी अभियान चलाकर विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदाय के लोगों का जीवन स्तर सुधारने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत 144 पहाड़ी कोरवा युवाओं को सहायक शिक्षक, भृत्य व अन्य पदों पर नौकरी दी गई है। शिक्षा व शासकीय नौकरी के बाद समाज में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहे है।

-डीपी नागेश, सहायक संचालक आदिवासी विकास

हाथियों का दल फिर पहुंचा शहर के निकट गंझाडांड़ जंगल

27 हाथियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाना वन अमले के लिए बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

पिछले तीन दिनों से वन परिक्षेत्र अम्बिकापुर एवं वन परिक्षेत्र धौरपुर के बीच भ्रमण कर रहा 27 सदस्यीय हाथियों का दल वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह बाधा उत्पन्न कारने के कारण हाथी अपने गंतव्य की ओर नहीं जा पा रहे हैं तथा इधर-उधर भटक जा रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में हाथियों का अधिक समय तक रूकना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन ग्रामीण इस बात को नहीं समझ पा रहे हैं। लम्बे समय से प्रतापपुर जंगल में भ्रमण कर रहा 27 हाथियों का दल एक पखवाड़े पूर्व राजपुर, धौरपुर वन परिक्षेत्र के रास्ते जशपुर स्थित बादलखोल अभ्यारण्य की ओर निकला था। हाथियों ने वन परिक्षेत्र धौरपुर अंतर्गत ग्राम डांड़गांव तक का लम्बा सफर जंगल के रास्ते तय किया इसलिए कहीं बाधा नहीं हुई, लेकिन आगे कुछ सफर मैदानी इलाकों का होने के कारण हाथियों को पिछले एक सप्ताह से लगातार ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। रात में हाथी जैसे ही अपने मार्ग में अग्रसर होते हैं ग्रामीण उनका रास्ता रोक देते हैं। अलग दिशाओं से तेज रोशनी के टार्च जलाने एवं पटाखा फोड़ने से हाथियों का दल अलग-अलग दलों में बंट जाता है तथा हाथी अपना रास्ता भटककर दूसरे इलाकों में चले जाते हैं। ग्रामीणों द्वारा रास्ता बाधित करने के बाद लगातार दो दिनों तक डांड़गांव एवं दोरना के बीच भटकने के बाद हाथियों का दल पिछले चार दिनों से शहर से से गझाडांड़ जंगल से उदारी आना-जाना कर रहा है। यहां से लुण्ड्रा जंगल जाने के दौरान ग्रामीण रास्ता बाधित कर दे रहे, जिससे इस तरह की स्थिति निर्मित हो रही है। दो दिन पूर्व गजडांड़ जंगल से वन अमले ने सुरक्षित उदारी जंगल तक हाथियों को ड्राइव किया था। हाथियों के आगे बढ़ने के दौरान बीती रात ग्राम बांसा एवं उदारी के ग्रामीणों द्वारा रास्ता बाधित करने पर हाथी बटवाही जंगल पहुंच गए। बटवाही के ग्रामीणों द्वारा खदेड़ने पर हाथी वापस शहर के निकट गझाडांड़ के सागौन प्लांटेशन में पहुंच गए हैं। वन अधिकारी पुलिस की मदद से हाथियों को उनके मार्ग पर सुरक्षित ड्राइव करने के प्रयास में जुटे हैं।

खास बातें

- ग्रामीणों द्वारा लगातार रास्ता बाधित करने से भटक रहे हाथी
- आक्रोशित होकर दे सकते हैं बड़ी दुर्घटना को अंजाम

गुंझाडांड़ जंगल में हाथियों का दल।

हाथियों के तीन रास्ते

हाथी किस रास्ते आगे बढ़ेंगे इसका ठिकाना नहीं है। वन अधिकारी गझाडांड़ जंगल से हाथियों के आगे बढ़ने के तीन रास्ते बता रहे हैं। लगातार रास्ता बाधित होने के कारण हाथी परसा, भकुरा जंगल के रास्ते प्रतापपुर या फिर हाइवे को पार कर दरिमा मार्ग स्थित पायल पहाड़ के रास्ते बतौली के पूर्व एनएच पार कर बगीचा की ओर या फिर वापस उदारी जंगल की ओर जा सकते हैं। ग्रामीणों के जानमाल की सुरक्षा करते हुए हाथियों को उनके पारंपरिक मार्ग तक सुरक्षित पहुंचाना वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। गझाडांड़ जंगल में हाथियों को देखने एनएच पर पूरे दिन भारी भीड़ जमी रही। मौजूद युवा हाथियो को देखने और उनका वीडियो बनाने देर शाम तक सक्रिय रहे। लोगों पर वन अमले की समझाईश का असर नहीं पड़ रहा है।

पिकनिक के दौरान सावधानी जरूरी

नए साल के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में लोग पर्यटन स्थलों एवं वनभोज पर जाते हैं। वर्तमान हाथियों का दल चेंद्रा वाटरफॉल एवं रनघाघ नर्सरी के पास हैं ऐसे में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में पिकनिक मनाना खतरनाक हो सकता है। हाथी आबादी क्षेत्र के निकट भ्रमण कर रहे हैं। वन अमला प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों को शाम ढलने के पूर्व घर लौटने, हाथियों की उपस्थिति की जानकारी विभिन्न माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों को साझा करने की सलाह दे रहे हैं ताकि हाथियों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

हाथियों के रूकने पर होगा अधिक नुकसान

वन अधिकारियों का कहना है कि हाथी जितना दिन रूकेंगे उतना ही अधिक नुकसान होगा। बार-बार खदेड़ने से आक्रोशित हाथी घरों में तोड़-फोड़ मचाने के साथ ही जनहानि भी कर सकते हैं। अधिकारी ग्रामीणों को हाथियों का रास्ता बाधित न कर उन्हें आगे बढ़ने में सहयोग करने के लिए जागरूक कर रहे हैं लेकिन ग्रामीणों पर इसका असर नहीं पड़ रहा है।

दंतैल बहेरादेव ने तीन घरों में की तोड़-फोड़

बिहारपुर। लम्बे समय से अकेले घूम रहे दंतैल बहेरादेव ने बीती रात ग्राम पंचायत मोहरसोप के ठुठियापारा में जमकर उत्पात मचाया। अरहर, मटर सहित अन्य फसलों को रौंदने के बाद हाथी बस्ती में घुसकर तोड़-फोड़ मचाने लगा। मध्य रात्रि दंतैल बहेरादेव ग्राम पंचायत मोहरसोप अंतर्गत ठुठियापारा बस्ती में घुस गया। सूचना पर पहुंचे वन अमले ने आनन-फानन में बस्ती के बाहर के घरों को खाली कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा। दंतैल पहुंचते ही घरों में तोड-फोड़ करने लगा। इस दौरान मौजूद वन कर्मियों ने गजराज वाहन की मदद से दंतैल को खदेड़ने की कोशिश करते रहे लेकिन बहरा होने के कारण हाथी पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इस दौरान हाथी ने गांव के बुधलाल पण्डो, नान्हू पण्डो एवं छोटेलाल साहू के घर को ढहाने के बाद घर में रखा अनाज खा गया।

चल रहा प्रयास

हाथियों के जंगल से बाहर निकलने का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस बल एवं दो रेंज के वन अमले द्वारा हाथियों को उनके मार्ग पर निर्वाध अग्रसर करने का प्रयास चल रहा है।

-जैनी ग्रेस कुजूर
उप वनमंडलाधिकारी

रात को सपना लेकर सोए थे और सुबह उनकी चली गई सरकार : नेताम

प्रतापपुर। कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम का आज प्रतापपुर रेस्ट हाउस पहुंचे। क्षेत्रीय विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते सहित कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। रेस्ट हाउस में बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि ऐसी हर हुई कि कांग्रेस मूर्छित हो गई है। रात को सपना लेकर सोए थे और सुबह उठने तक उनकी सरकार चली गई। उन्होंने शक्कर कारखाना में हुए भ्रष्टाचार को लेकर एक बार फिर से बुलडोजर चलाने की बात कही है। शक्कर कारखाना के भ्रष्टाचार को लेकर जांच कर उचित कार्रवाई करने कहा। क्षेत्रीय विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने कैबिनेट मंत्री की बात को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कठोर कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों को हिदायत देते हुए कहा कि जनता के हित में कार्य करें। क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा सरकार हमेशा आगे है। कांग्रेस सरकार में जो कार्य रुके हुए थे उसे पूर्ण रूप से विकास की गति की ओर ले जाना है। मंत्री रामविचार नेताम रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की तथा क्षेत्रवासियों की समस्या सुनते के साथ ही क्षेत्र में विकास करने की बात कही। इस दौरान अक्षय तिवारी, मुकेश तायल, लाल संतोष सिंह, अजीत शरण सिंह, शंकर जायसवाल, शिबू सिंह, नवीन, सोनू जायसवाल, विनोद जायसवाल, विजेंद्र कश्यप, मुकेश गुप्ता, हरी गुप्ता, गुलाब तिवारी, अवधेश पांडे, अंकुर जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अधिकारियों को लगाई फटकार

मंत्री रामविचार नेताम ने प्रतापपुर क्षेत्र में व्यवस्था को लेकर जिले के उच्च अधिकारियों एवं स्थानीय अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि अपने रवैया को सुधार करे और किसी प्रकार का कार्य में लापरवाही न करें नहीं तो सभी लोगों की फाइल खुलनी शुरू हो जाएगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार व कमीशन खोरी को किसानों के धान में अफरा तफरी कोच्चियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हरिभूमि

पाठकों के लिए माह दिसम्बर 2023 का बिल निम्नानुसार है

विवरण	दर	राशि
15 दिन	4.00	60.00
16 दिन	5.00	80.00
31 दिन,	कुल योग=	140.00

कृपया पाठकगण माह दिसम्बर 2023 के बिल का भुगतान उपरोक्तानुसार अपने एजेण्ट बंधु को 5 जनवरी 2024 तक जमा करें।

प्रसार प्रबंधक
हरिभूमि
गौरव पथ रिंग रोड नं. 2
बिलासपुर

चोरों ने मध्यान्ह भोजन का दो क्विंटल चावल किया पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

ग्राम पंचायत कसलगिरी में संचालित शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अज्ञात चोरों ने स्कूल का ताला तोड़कर स्कूल में रखे मध्यान्ह भोजन के 2 क्विंटल चावल को चोरी कर साथ ले गए हैं। जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कसलगिरी में संचालित शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने स्कूल में रखे मध्यान्ह भोजन योजना के 2 क्विंटल चावल को चोरी कर ले गए हैं। रविवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा मामले की सूचना स्कूल के प्रधान पाठक रविशंकर सोनी को दी। प्रधान पाठक ने तत्काल स्कूल में पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लेते हुए जयनगर थाना पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हरिभूमि 21 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया पण्डित काम्पलेक्स अंबिकापुर मो. 9826154736

अधिकारी-कर्मचारी ग्रामीणों को अनावश्यक न करें परेशान : पोर्ते

हरिभूमि न्यूज ⏭ पोड़ीमोड़

विकासखंड प्रतापपुर के ग्राम पंचायत धरमपुर व भरदा में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंचा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते शिविर में शासन के कई महत्वाकांक्षी व कल्याणकारी योजनाओं की शपथ लीं। उन्होंने सभी विभाग के कर्मचारियों को जिम्मेदारी से कार्य कराने के निर्देश दिए जिसे क्षेत्र के लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही पटवारी, बिजली विभाग, वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि कोई भी कर्मचारी ग्रामीणों को अनावश्यक परेशान न करे। उन्होंने कहा कि धरमपुर व कोटेया, बगडा, भरदा हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत कटौती नहीं होना चाहिए। मोदी की गारंटी की ही गारंटी है, सभी गरीबों की पक्की मकान होगी और बारिश के दौरान होने वाली परेशानी खत्म हो जाएगी।

साथ ही भोजन बनाने के लिए सिलेंडर गैस दिया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास प्रमाण पत्र, अन्नप्राशन संस्कार, गोद भराई के अलावा स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान राजकुमार गुप्ता, लाल संतोष सिंह, सुनिल गुप्ता, दीपिका नेताम शिवचरण नापित, विजेन्द्र कश्यप, विनोद जायसवाल, राजेश कश्यप, अजीत गुप्ता, शिवम गुप्ता, मनीष मिश्रा सहित अधिकारी कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

Rahul Travels
राहुल ट्रैवेल्स अब आपके क्षेत्र में फ्रेंचाइजी / एजेंसी दे रहे है, मात्र 20000 से 25000 के इन्वेस्टमेंट में 10 % का मार्जिन।
राहुल ट्रैवेल्स
(वन वे टैक्सी प्राइवेट लिमिटेड)
रायपुर एयरपोर्ट (छग)
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें -
विनोद पिंजानी 7693055301

online Booking-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 7,500/-
स्पेशल ट्रेन
04 मार्च से 09 मार्च 2024 तक
गंगा सागर यात्रा
गंगा सागर, माँ कामाख्या देवी, श्री जगन्नाथ पुरी
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
Since 2007
संपर्क करें:- 7247-411411

माता राजमोहिनी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
डॉ. पुष्पेन्द्र नायक
डॉ. मनीष चौरसिया
डॉ. बी बी कुमार
MBBS, MD (Medicine) Rheumatology
डॉ. गौरी शंकर सिंह
डॉ. निहार गुप्ता
1.5 Tesla MRI
डॉक्टर्स हाऊस @ सरगुजा
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड अम्बिकापुर
डॉ. अंशु शेखर
MBBS, MS (Orthopaedic)
डॉ. निश्चल श्रीवास्तव
डॉ. आशु जैन
07 जनवरी 2024
प्रत्येक माह के प्रथम रविवार